International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

शोध छात्रा – वर्तिका वत्स

शोध निर्देशिका – डॉ० विनीता वशिष्ठ

शिक्षाशास्त्र विभाग

हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय

पौढ़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड़

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में सरकार द्वारा संचालित मध्यान्ह भोजन योजना का अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना है। अध्ययन हेतु उ०प्र० राज्य के मेरठ जिले के पाँच विकास खण्ड़ों में संचालित प्राथमिक विद्यालयों में से प्रत्येक विकास खण्ड़ से 02–02 विद्यालयों या यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयन किया गया है तथा प्रत्येक विद्यालय से 10 विद्यार्थियों (5 छात्र, 5 छात्राएँ) का चयन यादृच्छिक प्रतिदर्श के आधार पर किया गया है। प्रदत्तों का संकलन करने के लिये डॉ० ए०के० सिंह तथा डॉ० ए० सेन गुप्ता निर्मित सामान्य शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण तथा स्वनिर्मित मध्यान्ह भोजन योजना प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण द्वारा पाया गया है कि मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

प्रस्तावना

मानव सभ्यता के आरम्भ से ही मानव जीवन की तीन अत्यधिक महत्वपूर्ण आवश्यकताएँ रही हैं–रोटी, कपड़ा, और मकान। इन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से सबसे महत्वपूर्ण रोटी अर्थात् भोजन है। भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य ने क्या नहीं किया है। देश के

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

निम्न आयवर्ग वाले व्यक्तियों के अधिकांश बच्चे प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। एक सर्वे द्वारा यह ज्ञात हुआ कि आर्थिक रूप से पिछड़े और कमजोर परिवारों के 60 प्रतिशत बच्चे प्रातःकाल बिना भोजन किये विद्यालयों में पढ़ने जाते हैं, इनमें से 15.3 प्रतिशत बच्चे स्कूली शिक्षा पूर्ण करने से पूर्व ही विद्यालय छोड़ देते हैं। भोजन की इसी आवश्यकता को देखते हुए देश कीच स्वतंत्रता के बाद अनेक प्रयास किये गए हैं। इस विषम समस्या से उबरने हेतु सरकार ने अनेक प्रयास किये हैं। विभिन्न प्रदेशों की सरकारों ने अनेकों उपाय किये हैं जिनमें से एक उपाय विद्यार्थियों को दोपहर में पका–पकाया भोजन दिया जाना है, इसे ही मध्यान्ह भोजन योजना का नाम दिया गया है। शोधार्थिनी द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ा है? इसका अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

समस्या कथन

प्रस्तुत शोध में शोधार्थिनी द्वारा चयनित समस्या इस प्रकार है–''मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।''

शोध के उद्देश्य

शोध के निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये है–

1. प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मापन करना।
2. मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता, वितरण व्यवस्था एवं निर्धारित मानकों के अनुसार भोजन प्रदान किये जाने का अध्ययन करना।
3. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना

प्रस्तुत शोध में निम्न परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है–

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

1. मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
2. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना का कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
3. मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

शोध समस्या में आये तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण इस प्रकार किया गया है–

1. **मध्यान्ह भोजन योजना**–सरकारी तथा अनुदान प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में सरकार द्वारा दोपहर में विद्यार्थियों को जो पका–पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाता है उसे ही मध्यान्ह भोजन योजना कहा जाता है।
2. **प्राथमिक विद्यालय**–प्रस्तुत शोध में प्राथमिक विद्यालयों का अर्थ उ०प्र० राज्य के मेरठ जिले में संचालित सरकारी एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों से है जिनमें कक्षा एक से कक्षा पाँच तक की शिक्षा प्रदान की जाती है।
3. **शैक्षिक उपलब्धि**–शोध समस्या में आये शब्द शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के विभिन्न विद्यालयी विषयों में उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति को शैक्षिक उपलब्धि माना गया है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध में शोधार्थिनीद्वारा प्रदत्तों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संकलन हेतु निम्न शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

1. मध्यान्ह भोजन योजना–स्वनिर्मित प्रश्नावली
2. शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण–डॉ० ए०के० सिंह तथा ए० सेन गुप्ता द्वारा निर्मित समान्य शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण प्रयुक्त किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में उ०प्र० राज्य के मेरठ जिले में संचालित सरकारी एवं अनुदान प्राप्त शोध कार्य हेतु चयनित 10 प्राथमिक विद्यालयों में से 100 विद्यार्थियों (50 छात्र . 50 छात्राएँ) का यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित सांख्यिकी प्रविधियों का प्रयोग किया गया है–

1. मध्यमान
2. मानक विचलन
3. टी–परीक्षण

आंकड़ों का विश्लेषण

मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन निम्न तालिकाओं द्वारा किया गया है।

1. विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन

तालिका क्रमांक – 1

कुल विद्यार्थी की संख्या	मध्यान्ह भोजन योजना		शैक्षिक उपलब्धि		टी–परीक्षण
	मध्यामन	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
100	36.8	8.4	29.5	60	7.08

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

तालिका क्रमांक–1 में 100 विद्यार्थियों के मध्यान्ह भोजन योजना प्रश्नावली पर प्राप्तांको का मध्यमान 36.8 एवं मानक विचलन 8.4 है। उक्त सारणी में शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांको को मध्यमान 29.5 तथा मानक विचलन 6.0 है। विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान, मध्यान्ह भोजन योजना के मध्यमान से कम है तथा मानक विचलन भी शैक्षिक उपलब्धि का कम है। गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 7.08 है जो कि 0.01 विश्वास के स्तर 2.68 से अधिक है। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि मध्यान्ह भोजन योजना एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अन्तर सार्थक है। अर्थात् मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव परिलक्षित नहीं होता है।

2. छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन–

तालिका क्रमांक – 2

कुल विद्यार्थी की संख्या	मध्यान्ह भोजन योजना		शैक्षिक उपलब्धि		टी–परीक्षण
	मध्यामन	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
50	38.1	8.6	28.7	7.2	5.94

तालिका क्रमांक–2 में 50 छात्राओं के मध्यान्ह भोजन योजना प्रश्नावली एवं शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांको के मध्यमान क्रमशः 38.1 एवं 28.7 हैं, तथा मानक विचलन 8.6 एवं 7.2 है। छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त हुए प्राप्तांको का मध्यमान, मध्यान्ह भोजन योजना प्रश्नावली पर प्राप्त प्राप्तांको से कम है। गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 5. 94 है जो कि 0.01 विश्वास के स्तर 2.68 से अधिक है अतः स्पष्ट है कि मध्यान्ह भोजन योजना का छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है क्योंकि मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

3. छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन

तालिका क्रमांक – 3

कुल विद्यार्थी की संख्या	मध्यान्ह भोजन योजना		शैक्षिक उपलब्धि		टी–परीक्षण
	मध्यामन	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
50	36.3	7.3	29.8	7.25	4.48

उपरोक्त तालिका क्रमांक–3 में 50 छात्रों के मध्यान्ह भोजन योजना प्रश्नावली पर प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 36.3 तथा मानक विचलन 7.3 है एवं शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 29.8 एवं मानक विचलन 7.25 है। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान एवं मानक विचलन मध्यान्ह भोजन योजना प्रश्नावली के मध्यमान एवं मानक विचलन से कम है। दोनो मध्यमानों पर गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 4.48 है जो कि 0.01 विश्वास के स्तर 2.68 से अधिक है अतः स्पष्ट है कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध के परिणामों से मध्यान्ह भोजन योजना के यथार्थ का चित्रण किया गया है आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ है कि मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पौष्टिकता, वितरण व्यवस्था तथा निर्धारित मानकों के अनुसार भोजन प्रदान किये जाने पर भी ध्यान नहीं दिया जाता है। शोध के मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार हैं–

1. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

2. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्यान्ह भोजन योजना का कोई सकारात्मक प्रभाव परिलक्षित नहीं हो रहा है।

3. मध्यान्ह भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1ण झांसपदहमतए थ्ण्छण ;1983द्ध थ्नदकंउमदजंस व िठर्मींअपवनत त्मेमंतबीए प्दक प्दकपंद त्मचतपदजए छमू क्मसीपए ैनतरममज च्नइसपबंजपवदण

2.कपिल, एच०के० (1985) ''अनुसंधान विधियाँ'', आगरा, भार्गव प्रकाशन।

3ण्डपजजंसए ैण्ैण ;1985द्धए प्उचंबज व िडपक.कंल उमंसे चतवहतंउउमए म्दतवसउमदज ंदक ंजजमदकंदबम व िचतपउंतल ेजंहमण

4.शर्मा, आर०ए० (1992) ''शिक्षा तकनीकी'' मेरठ, लायल बुक डिपो।

5. मध्यान्ह भोजन योजना (1995) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत संरकार, नई दिल्ली।

6. कपिल, एच०के०, (1998) ''सांख्यिकी के मूल तत्व'', आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।

7ण्डपक.क्ंल डमंसे पद प्दकपंद ैबीववसे ;2004द्ध ैनचचवतज हतवनच वि जीम ष्तपहीज जव विवक बंउचपदहष वित बपतबनसंजपवद ंज जीम ूवतसक ेवबपंस वितनउ ;डनउइंप श्रंद 2004द्धण

8. मध्यान्ह भोजन योजना (2004) ''प्राथमिक स्तर पर मध्यान्ह भोजन योजना की क्रियान्वयन समस्या का अध्ययन।'' लघु शोध प्रबन्ध जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, (म०प्र०)।

9ण्ठमेजए श्रॅण्ण ंदक श्रंउमेए ल्ण् झींद ;2007द्ध त्मेमंतबी पद म्कनबंजपवद प् ष्।ककपजपवदए छमू क्मसीपए च्मंतेवद च्तपदजपबम भ्ंससण

10. पाण्डेय, बैजनाथ (2007) ''पूर्ण साक्षरता के लिए वरदानः मिड–डे मील'', मासिक पत्रिका–कुरुक्षेत्र, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली अंक 11।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 9 Issue 10, October - 2019
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 7.101 |

11. परिहार, नीलम सिंह (2008–09), ''मध्यान्ह भोजन योजना का क्रियान्वयन।'' सतना जिले के प्राथमिक विद्यालयों के विशेष सन्दर्भ में, लघु शोध प्रबन्ध, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, (म०प्र०)।

12. पुश्पद, नेहा (2008–09), ''मध्यान्ह भोजन का विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उालब्धि स्तर पर पड़ने वाला प्रभाव। ''लघु शोध प्रबन्ध जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, (म०प्र०)।

13. कौल, लोकेश (2009), ''शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली'', तृतीय पुर्नमुद्रण, नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा० लि०।

14ण ठींतंकूंरए च्तपलंदां ;2010द्ध ष्उचंबज वि डपक.कंल उमंस ;डक्डद्ध चतवहतंउउम वद हवअमतदउमदज चतपउंतल`बीववस बजपअपजपमे पूजी`चमबपंस तममितमदबम जव कपेजतपबज ळूंसपवतष चैण्क्ण् जीमेपेए श्रममूंरप न्दपअमतेपजलए ळूंसपवत ;डण्च्ण्द्ध

15.दीक्षित, मनीश कुमार (2011), ''मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम का मूल्यांकन अध्ययन।'' शोध प्रबन्ध जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, (म०प्र०)।

16. शर्मा, अंजना (2014), ''मध्यान्ह भोजन योजना का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव : एक अध्ययन।'' शोध प्रबन्ध जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर (म०प्र०)।